उत्तर प्रदेश में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से कम

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) **2023** की नवीनतम **रिपोर्ट** के अनुसार, **पंजीकृत मामलों की अधिक संख्या** होने के बावजूद, उत्तर प्रदेश ने प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध दर के मामले में राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है।

प्रमुख निष्कर्ष

- **राष्ट्रीय औसत बनाम उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन:**
  - **भारत की कुल अपराध दर:** प्रति लाख जनसंख्या पर 448.3
  - **उत्तर प्रदेश:** प्रति लाख जनसंख्या पर 335.3 (राष्ट्रीय औसत से 25% से अधिक कम)।
- **उत्तर प्रदेश का विवरण:**
  - 24 करोड़ की जनसंख्या वाले उत्तर प्रदेश में भारतीय दंड संहिता (IPC) और विशेष एवं स्थानीय कानूनों (SLL) के तहत 7.93 लाख मामले दर्ज किये गए।
  - अपराध दर के मामले में यह **राज्य** 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में **11वें स्थान** पर है।
- **अन्य राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से तुलना:**
  - **केरल:** सर्वोच्च अपराध दर, प्रति लाख 1,631.2
  - **दिल्ली (केंद्रशासित प्रदेश):** प्रति लाख जनसंख्या पर 1,602
- **वर्ष-दर-वर्ष तुलना (2022 बनाम 2023):**
  - **भारत 2022**: प्रति लाख 258
  - **उत्तर प्रदेश 2022**: 71.6 प्रति लाख (4.01 लाख मामलों के साथ 18वें स्थान पर)।
  - केरल वर्ष 2022 में भी शीर्ष पर रहा (661 प्रति लाख)।
  - वर्ष 2023 में राष्ट्रीय स्तर और उत्तर प्रदेश दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, लेकिन उत्तर प्रदेश अभी भी **राष्ट्रीय औसत से कम** है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB)

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की स्थापना वर्ष **1986** में अपराध और अपराधियों से संबंधित जानकारी का भंडार तैयार करने के लिये की गई थी ताकि **टंडन समिति,** राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय (MHA) टास्कफोर्स (1985) की सिफारिशों के आधार पर अपराध को अपराधियों से जोड़ने में जाँचकर्त्ताओं की सहायता की जा सके।
- यह गृह मंत्रालय का एक अंग है और इसका **मुख्यालय नई दिल्ली** में स्थित है।
- NCRB भारतीय और विदेशी अपराधियों के फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड के लिये एक **"राष्ट्रीय भंडार"** के रूप में भी कार्य करता है और फिंगरप्रिंट खोज के माध्यम से अंतरराज्यीय अपराधियों का पता लगाने में सहायता करता है।
- **NCRB के चार खंड हैं:** अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (CCTNS), अपराध सांख्यिकी, फिंगरप्रिंट और प्रशिक्षण।
- **NCRB के प्रकाशन:**
  - क्राइम इन इंडिया, आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्याएँ, प्रिज़न स्टेटिस्टिक्स, **और** भारत में लापता महिलाओं और बच्चों पर रिपोर्ट।
  - ये प्रकाशन न केवल पुलिस अधिकारियों के लिये बल्कि अपराधशास्त्रियों, शोधकर्त्ताओं, मीडिया और नीति-निर्माताओं के लिये भी अपराध संबंधी आँकड़ों का मुख्य संदर्भ स्रोत हैं, और यह केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी उपयोगी हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-records-lower-crime-rate-than-national-average